Eduline

Includes
the essentialities of
NEP 2020

हिंदी पाठमाला शृंखला A से 8

First Prize From FIP

with Teachers Manuals and CDs

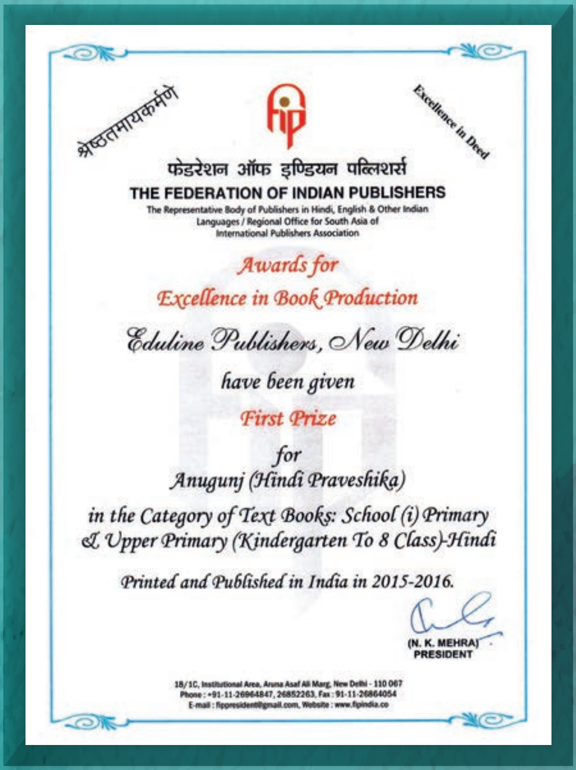

श्रेष्ठतमायकर्मणे

Excellence in Deed

फेडरेशन ऑफ इण्डियन पब्लिशर्स

THE FEDERATION OF INDIAN PUBLISHERS

The Representative Body of Publishers in Hindi, English & Other Indian Languages / Regional Office for South Asia of International Publishers Association

Awards for
Excellence in Book Production

Eduline Publishers, New Delhi

have been given

First Prize

for

Anugunj (Hindi Praveshika)

in the Category of Text Books: School (i) Primary & Upper Primary (Kindergarten To 8 Class)-Hindi

Printed and Published in India in 2015-2016.

(N. K. MEHRA)
PRESIDENT

18/1C, Institutional Area, Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi - 110 067
Phone : +91-11-26964847, 26852263, Fax : 91-11-26864054
E-mail : fippresident@gmail.com, Website : www.fipindia.co

उत्कृष्टता पुरस्कार, 2016

पुस्तक प्रकाशन हेतु प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं हेतु पाठ्यपुस्तकों के वर्ग में प्रथम पुरस्कार

विशेषताएँ

भारतीय परंपरागत चित्रकारी एवं नृत्यकलाओं का ज्ञान

पिथौरा चित्रकला

पिथौरा दीवारों पर बनाई जाने वाली पारंपरिक चित्रकला है। मध्य गुजरात में स्थित रथवा और भील जनजातियों में शांति, समृद्धि और प्रसन्नता की सूचक पिथौरा चित्रकला सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है।

नीचे दिए गए चित्र के आधार पर हू-ब-हू चित्र बनाने का प्रयास करें और उसमें मनपसंद रंग भरें। इस चित्र को घर की दीवार पर सजा सकते हैं या पोस्टकार्ड की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

इंटरनेट से जानकारी प्राप्त कीजिए और इस चित्रकला की दो विशेषताएँ लिखिए—

....

....

....

....

शास्त्रीय नृत्य

शास्त्रीय नृत्यों के विषय में पढ़कर दिए गए स्थान में इनके विषय में अतिरिक्त जानकारी प्राप्त कर, लिखें।

कथकली केरल की सुप्रसिद्ध शास्त्रीय रंगकला है। रंगीन वेश-भूषा पहने कलाकार गायकों द्वारा गाए जाने वाले संदर्भों का हस्तमुद्राओं एवं नृत्य-नाट्यों द्वारा अभिनय प्रस्तुत करते हैं। कथा का विषय भारतीय पुराणों और इतिहासों से लिया जाता है। कथकली की शैली में जो छोटे-छोटे भेद हुए है उन्हें चिट्टकल कहते हैं।

....

....

....

पुस्तक को और अधिक रूचिकर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ पाठ्य पुस्तक में सम्मिलित की गई है।

अनुगूँज हिंदी पाठमाला 3

पाठ–मूल्यांकन

क्रम संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या	भाषा कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना)	रचनात्मक कार्य/गतिविधियाँ	राष्ट्रीय केंद्रिक बिंदु एवं मानवीय–मूल्य
1.	पानी और धूप (कविता)	11–15	श्रुतलेखन/उच्चारण अभ्यास, प्रत्यास्मरण–मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति, अपनी बात, रिक्त स्थान पूर्ति, सही गलत का निर्णय, पर्यायवाची शब्द, सार्थक शब्द निर्माण, विलोम शब्द, शब्दों को वर्णमाला क्रम में लिखना।	लिखना–यदि बादल मिल जाए तो उसे क्या समझाएँगे, बादल और बिजली के बारे में इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करना, कविता का सस्वर वाचन, जल–चक्र के चित्र पर चर्चा करना।	प्रकृति–प्रेम, प्रकृति की क्रियाओं की समझ, कल्पना–शक्ति का विकास
2.	लड्डू और मिट्ठू तोता (कहानी)	16–22	श्रुतलेखन/उच्चारण अभ्यास, प्रत्यास्मरण–मौखिक व लिखित प्रश्न, अपनी बात, सही–गलत का निर्णय, घटना–क्रम, वाक्य–पूर्ति, संज्ञा–परिचय, संयुक्त व्यंजन, सही मिलान।	प्रिय पक्षी पर पंक्तियाँ लिखना, का से पक्षी बनाना, देशी–विदेशी पक्षि के चित्र एकत्रित करके चर्चा करन	
3.	कुएँ का पानी (कहानी)	23–28	श्रुतलेखन/उच्चारण अभ्यास, प्रत्यास्मरण–मौखिक एवं लिखित प्रश्न, अपनी बात, सही–गलत का निर्णय, अनेकार्थी शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, वाक्य अशुद्धि शोधन, संज्ञा शब्दों पर घेरा लगाना।	अकबर–बीरबल के किस्से पढ़ना कक्षा में सुनाना, पाठ का अभिनय, कुएँ का चित्र बनाकर जानकारी ए करना, अकबर के नौ रत्नों के बारे पता करना।	

चित्रकथा

मैं भी

बताओ तो जानें

सिर से है मेरा नाता
बिस्तर मुझको है भाता
मीठी नींद तुम्हें सुलाता

गिनती भी सीखें

चित्र–वर्णन, रंगों की पहचान, गिनती की समझ, पहेलियाँ, चित्रकथा की जानकारी

कल्पना शक्ति को जागरित करने के लिए आकर्षक चित्र प्रस्तुति।

4 कूड़े से हरियाली तक

पाठ परिचय : कूड़ा बीमारी का घर है लेकिन अगर हम इसका सही तरीके से उपयोग करें तो यह हमें लाभ भी पहुँचा सकता है। जानने के लिए पढ़िए यह एकांकी...

ज़रा सोचें : सड़क के किनारे पड़े कूड़े को देखकर आपको कैसा लगता है?

जीवन मूल्य : स्वच्छता स्वास्थ्य के लिए बहुत ज़रूरी है।

पात्र : रवि, अनम, प्रिया, डेविड, एक अनजान व्यक्ति और डेविड के पापा

(रवि, अनम, प्रिया और डेविड एक ही मोहल्ले में रहते हैं। रविवार के दिन चारों बच्चे डेविड के पापा के साथ बगीचे में टहलने जा रहे हैं। तभी उनकी निगाह सड़क पर फैले कूड़े की ओर जाती है, जबकि सड़क के दूसरे किनारे पर एक कूड़ाघर भी है।)

रवि : *(नाक बंद करते हुए)* उफ़! कैसी बदबू है, चारों तरफ़ सड़ा-गला कूड़ा बिखरा हुआ है। यहाँ से तो निकलना भी मुश्किल है।

अनम : हाँ, देखो, यहाँ कितना कूड़ा पड़ा है जबकि कूड़ाघर खाली है। ये मक्खी-मच्छर तो बीमारी के घर होते हैं।

प्रिया : ओह! कितने मज़े से हम लोग बगीचे में घूमने जा रहे थे। इस दुर्गंध से तो सारा मज़ा ही किरकिरा हो गया। अब जल्दी चलो यहाँ से, नहीं तो हम सब बीमार पड़ जाएँगे।

डेविड : कैसे लोग हैं जो कूड़ा कूड़ेदान की जगह उसके बाहर फेंकते हैं।

पर्यावरण के प्रति सजगता एवं सामाजिक कौशलों की यथासंभव जानकारी

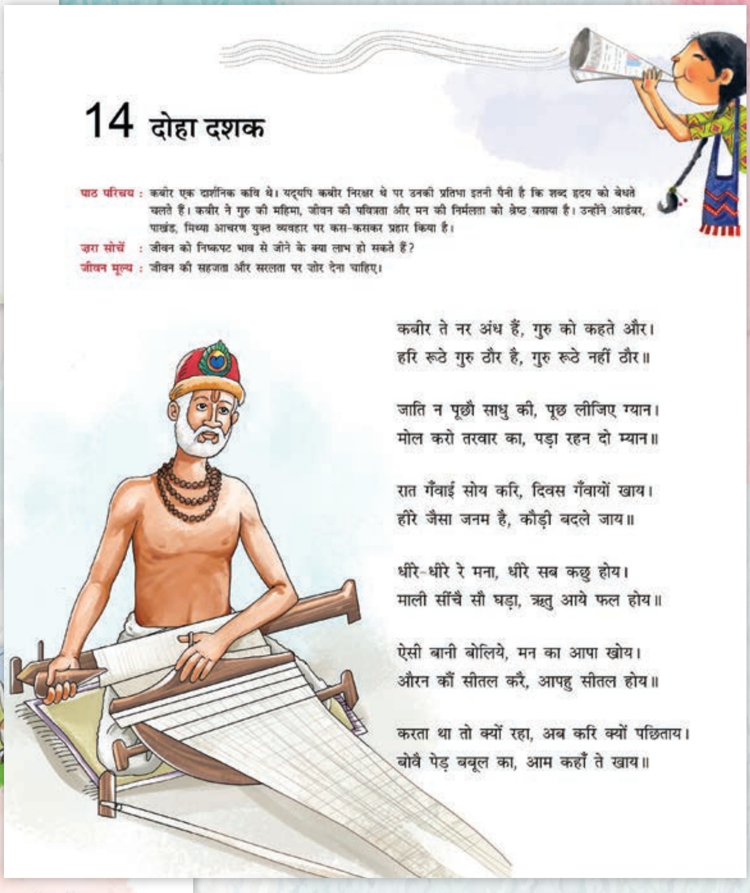

14 दोहा दशक

पाठ परिचय : कबीर एक दार्शनिक कवि थे। यद्यपि कबीर निरक्षर थे पर उनकी प्रतिभा इतनी पैनी है कि शब्द हृदय को बेधते चलते हैं। कबीर ने गुरु की महिमा, जीवन की पवित्रता और मन की निर्मलता को श्रेष्ठ बताया है। उन्होंने आडंबर, पाखंड, मिथ्या आचरण युक्त व्यवहार पर कस-कसकर प्रहार किया है।

ज़रा सोचें : जीवन को निष्कपट भाव से जीने के क्या लाभ हो सकते हैं?

जीवन मूल्य : जीवन की सहजता और सरलता पर ज़ोर देना चाहिए।

कबीर ते नर अंध हैं, गुरु को कहते और।
हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहीं ठौर॥

जाति न पूछौ साधु की, पूछ लीजिए ग्यान।
मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान॥

रात गँवाई सोय करि, दिवस गँवायों खाय।
हीरे जैसा जनम है, कौड़ी बदले जाय॥

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कछु होय।
माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय॥

ऐसी बानी बोलिये, मन का आपा खोय।
औरन कौं सीतल करै, आपहु सीतल होय॥

करता था तो क्यों रहा, अब करि क्यों पछिताय।
बोवै पेड़ बबूल का, आम कहाँ ते खाय॥

महापुरूषों के जीवन से प्रेरणा लेना और सुप्रसिद्ध कवियों के दोहे और रचनाएँ।

14 स्वामी विवेकानंद

पाठ परिचय : महापुरुषों का जीवन कभी भी अपने लिए नहीं होता। महापुरुष हमेशा दूसरों के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। स्वामी विवेकानंद भी ऐसे ही महापुरुषों में से एक थे। उनकी निडरता और सेवाभावी स्वभाव की घटनाओं का वर्णन इस पाठ में किया गया है।

ज़रा सोचें : स्वामी विवेकानंद की कौन-सी विशेषता को आप अपनाना चाहेंगे?

जीवन मूल्य : सोच समझ कर ही दूसरों की बात पर यकीन करो। हमें ज़रूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कोलकाता में हुआ था। उनके माता-पिता ने उनका नाम नरेंद्र रखा था। वे बचपन से ही प्रतिभाशाली, निडर और साहसी थे। उन्होंने मात्र छह वर्ष की आयु में ही एक बच्चे को घोड़ागाड़ी के नीचे आने से बचाया था। जब वे लगभग आठ साल के थे तभी से अपने मित्र के यहाँ खेलने जाया करते थे, उस मित्र के घर में एक चंदन का पेड़ लगा हुआ था। वह स्वामी जी का पसंदीदा पेड़ था और उन्हें उस पर लटककर खेलना बहुत प्रिय था।

जीवन-मूल्यों का ज्ञान और अपनी बात को सरल ढंग से कहने और समझने के कौशल का विकास

13 हम भी होते काश कबूतर

पाठ परिचय : सोचकर देखिए कि अगर आपके पंख होते तो कितना मज़ा आता। कवि ने तो पूरी कल्पना कर डाली कि अगर वे कबूतर होते तो क्या-क्या करते।

ज़रा सोचें : पक्षियों का जीवन आपके जीवन से किस प्रकार अलग है?

जीवन मूल्य : हमें पक्षियों को पिंजरे में नहीं रखना चाहिए।

हम भी होते काश कबूतर
मज़े उड़ाते दिन भर उड़कर।
बच्चे हमें चुगाते दाने
गाते मीठे-मीठे गाने।
खूब गुटर-गूँ करते दिन भर
हम भी होते काश कबूतर।

हाथ किसी के कभी न आते
यों फुर्र से फ़ौरन उड़ जाते।
ना होता पापा जी का डर
हम भी होते काश कबूतर।

साथ हवा के बातें करते
चाँद सितारे ताका करते।
ना होता स्कूल का चक्कर
हम भी होते काश कबूतर।

बिन पैसे हम खूब घूमते
यों उड़ते आकाश चूमते।
पेड़ों पर होते अपने घर
हम भी होते काश कबूतर।

—सूर्यभानु गुप्त

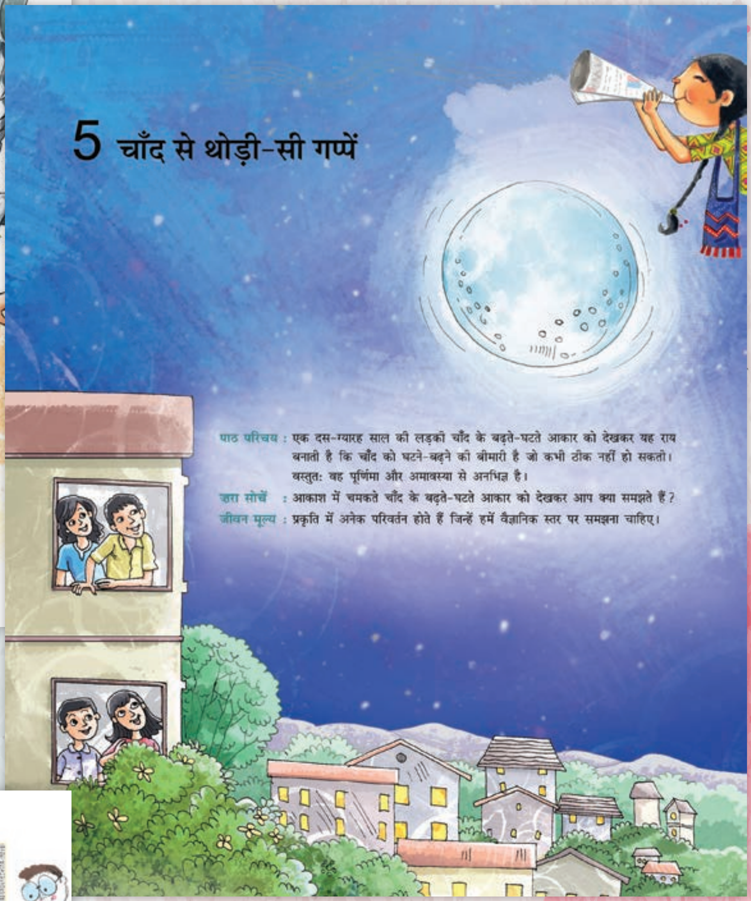

5 चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

पाठ परिचय : एक दस-ग्यारह साल की लड़की चाँद के बढ़ते-घटते आकार को देखकर यह राय बनाती है कि चाँद को घटने-बढ़ने की बीमारी है जो कभी ठीक नहीं हो सकती। वस्तुतः वह पूर्णिमा और अमावस्या से अनभिज्ञ है।

ज़रा सोचें : आकाश में चमकते चाँद के बढ़ते-घटते आकार को देखकर आप क्या समझते हैं?

जीवन मूल्य : प्रकृति में अनेक परिवर्तन होते हैं जिन्हें हमें वैज्ञानिक स्तर पर समझना चाहिए।

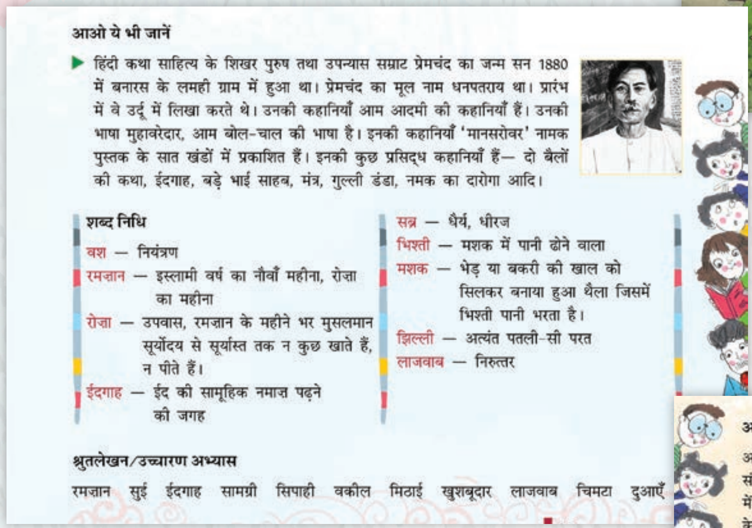

आओ ये भी जानें

हिंदी कथा साहित्य के शिखर पुरुष तथा उपन्यास सम्राट प्रेमचंद का जन्म सन 1880 में बनारस के लमही ग्राम में हुआ था। प्रेमचंद का मूल नाम धनपतराय था। प्रारंभ में वे उर्दू में लिखा करते थे। उनकी कहानियाँ आम आदमी की कहानियाँ हैं। उनकी भाषा मुहावरेदार, आम बोल-चाल की भाषा है। इनकी कहानियाँ 'मानसरोवर' नामक पुस्तक के सात खंडों में प्रकाशित हैं। इनकी कुछ प्रसिद्ध कहानियाँ हैं— दो बैलों की कथा, ईदगाह, बड़े भाई साहब, मंत्र, गुल्ली डंडा, नमक का दारोगा आदि।

शब्द निधि

वश — नियंत्रण
रमज़ान — इस्लामी वर्ष का नौवाँ महीना, रोज़ा का महीना
रोज़ा — उपवास, रमज़ान के महीने भर मुसलमान सूर्योदय से सूर्यास्त तक न कुछ खाते हैं, न पीते हैं।
ईदगाह — ईद की सामूहिक नमाज़ पढ़ने की जगह
सब्र — धैर्य, धीरज
भिश्ती — मशक में पानी ढोने वाला
मशक — भेड़ या बकरी की खाल को सिलकर बनाया हुआ थैला जिसमें भिश्ती पानी भरता है।
झिल्ली — अत्यंत पतली-सी परत
लाजवाब — निरुत्तर

श्रुतलेखन/उच्चारण अभ्यास

रमज़ान सुई ईदगाह सामग्री सिपाही वकील मिठाई खुशबूदार लाजवाब चिमटा दुआएँ

हिंदी भाषा की सभी विधाओं व सुप्रसिद्ध हिंदी कवियों व लेखकों का परिचय

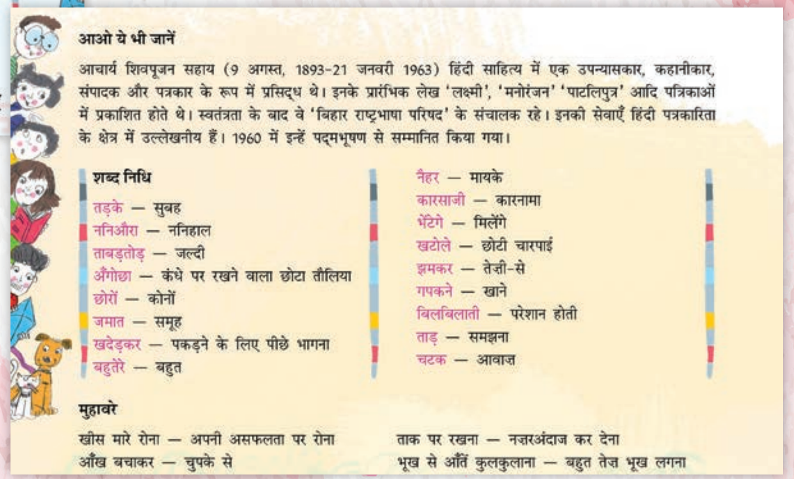

आओ ये भी जानें

आचार्य शिवपूजन सहाय (9 अगस्त, 1893-21 जनवरी 1963) हिंदी साहित्य में एक उपन्यासकार, कहानीकार, संपादक और पत्रकार के रूप में प्रसिद्ध थे। इनके प्रारंभिक लेख 'लक्ष्मी', 'मनोरंजन' 'पाटलिपुत्र' आदि पत्रिकाओं में प्रकाशित होते थे। स्वतंत्रता के बाद वे 'बिहार राष्ट्रभाषा परिषद' के संचालक रहे। इनकी सेवाएँ हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय हैं। 1960 में इन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

शब्द निधि

तड़के — सुबह
ननिऔरा — ननिहाल
ताबड़तोड़ — जल्दी
अँगोछा — कंधे पर रखने वाला छोटा तौलिया
छोरों — कोनों
जमात — समूह
खदेड़कर — पकड़ने के लिए पीछे भागना
बहुतेरे — बहुत
नैहर — मायके
कारसाज़ी — कारनामा
भेंटिंगे — मिलेंगे
खटोले — छोटी चारपाई
झमकर — तेज़ी-से
गपकने — खाने
बिलबिलाती — परेशान होती
ताड़ — समझना
चटक — आवाज़

मुहावरे

खीस मारे रोना — अपनी असफलता पर रोना
आँख बचाकर — चुपके से
ताक पर रखना — नज़रअंदाज कर देना
भूख से आँतें कुलकुलाना — बहुत तेज़ भूख लगना

शब्द निधि में वृद्धि तथा श्रुतलेखन और शुद्ध उच्चारण का अभ्यास

अभ्यास

पाठ चर्चा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए— Verbal Skills
   - क) पत्र किसने, किसे लिखा?
   - ख) लक्ष्मी कहाँ गई थी?
   - ग) लक्ष्मी ने केरल में क्या देखा?
   - घ) नौका दौड़ का नाम क्या है?
   - ङ) नौका-दौड़ सबसे पहले किसके सम्मान में आयोजित की गई थी?
2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए— Writing Skills
   - क) नेहरू नौका-दौड़ कब होती है?
     ....
   - ख) नौका दौड़ का सबसे बड़ा आकर्षण क्या है?
     ....
   - ग) नौका दौड़ का आयोजन सबसे पहले किस वर्ष में हुआ था?
     ....
   - घ) विजेता नाविकों को दी जाने वाली ट्रॉफ़ी कैसी होती है?
     ....
     ....

प्रसंगानुसार **मौखिक** अभिव्यक्ति का विकास

अभ्यास

पाठ चर्चा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए— Verbal Skills
   - क) चींटियों का घर कैसा होगा, यह किस पर निर्भर करता है?
   - ख) चींटियों के बुद्धिमान होने का क्या अर्थ है?
   - ग) जब एक चींटी दूसरी चींटी से 'ज़बान' लड़ाती है तो क्या होता है?
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए— Writing Skills
   - क) चींटियों की कौन-कौन सी गतिविधियाँ लेखक को आश्चर्यचकित कर देती हैं?
   - ख) चींटियों के अनोखे घरों के विषय में आप क्या जानते हैं?
   - ग) रानी चींटी की क्या पहचान है? उसकी मदद कौन करता है?
   - घ) खानाबदोश चींटियों की तीन विशेषताएँ लिखिए।
   - ङ) एफ़िड क्या है? चींटियों से इसका संबंध स्पष्ट कीजिए।
   - च) चींटियों को सामाजिक प्राणी क्यों कहा जाता है?
3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—
   - क) चींटियाँ .... नहीं रहतीं, हमेशा .... बनाकर रहती हैं।
   - ख) ज़मीन में बनाए चींटियों के घरौंदे .... होते हैं।
   - ग) हरेक घर या बस्ती में एक .... होती है।
   - घ) सिपाही चींटियों के शरीर की .... थोड़े अलग ढंग की होती है।
   - ङ) एक चींटी अपने वज़न से .... ज़्यादा बोझ ढो सकती है।
4. सही कथन के आगे ✓ का चिह्न और गलत कथन के आगे × गलत का चिह्न लगाइए—
   - क) मज़दूर चींटियाँ बहुत छोटी होती हैं। ☐
   - ...ी की रक्षा सैनिक चींटियाँ करती हैं। ☐
   - ...ाबदोश चींटियाँ घूमती-फिरती रहती हैं। ☐
   - ...टियाँ छोटे-छोटे जीव-जंतुओं को भी चट कर जाती हैं। ☐
   - ...टियाँ आपस में रासायनिक मिश्रण का आदान-प्रदान करती हैं। ☐

लिखित अभिव्यक्ति हेतु पर्याप्त तथा विविध गतिविधियाँ

जीने की कला

Analytical Skills

समाज में कैसे व्यवहार या लोगों को सराहा जाता है? क्यों?

....
....
....
....
....
....
....
....
....

अनुभवों का **सकारात्मक** मूल्यांकन करने की क्षमता हेतु गतिविधियाँ

भाषा कौशल

Language Skills

किसी व्यक्ति, पशु-पक्षी, वस्तु या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं। **लड्डू** उदास बैठा था। इस वाक्य में 'लड्डू' एक लड़के का नाम है, इसलिए संज्ञा है।

1. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्दों के नीचे रेखा खींचिए—
   - क) रंग-बिरंगा तोता बहुत अच्छा लगता।
   - ख) दोनों ने मिलकर अंगूर खाए।
   - ग) वह उड़ता हुआ पास के बगीचे में पहुँचा।
   - घ) दोनों आँगन में खेलते।
   - ङ) माँ रसोईघर में खाना पका रही हैं।

व्याकरण के व्यावहारिक रूप की समझ एवं क्षमता का विकास

भाषा व व्याकरण का क्रमबद्ध ज्ञान

रचनात्मक कार्य

Creative Skills

1. कौन-कौन-सी चीज़ें फर्स्टएड बॉक्स में होनी चाहिए। रेखा खींचकर दिखाएँ —

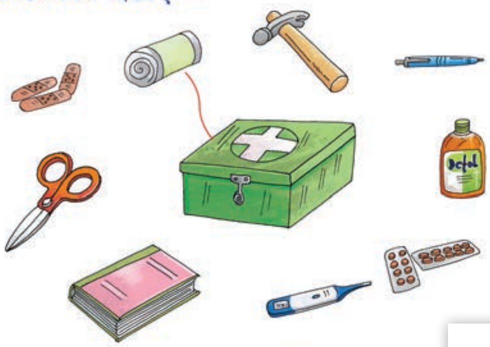

2. अपना एक फर्स्टएड बॉक्स बनाएँ और उसमें सभी

3. बताएँ— चोट लगने पर आप क्या करेंगे।

रचनात्मक कार्य के अंतर्गत सृजनात्मक लेखन, चित्र पठन एवं गतिविधियाँ

कल्पना की उड़ान

Creative Skills

1. यदि आप एक महीने के लिए अपने राज्य के मुख्यमंत्री बन गए तो क्या-क्या करेंगे? विस्तार से लिखिए—

....

....

....

....

....

....

मॉडल प्रश्न-पत्र 1

पाठ 1 से 8 पर आधारित

समय : 2 घंटे — पूर्णांक : 50

लिखित

1. दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए—

लोकप्रिय —	सिद्ध — ....
विजेता —	दुर्गंध — ....

2. विलोम शब्द लिखिए—

अपना ×	खुश × ....
निर्जीव ×	आकाश × ....

3. वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए—
   - क) रंग-बिरंगा तोता बहुत अच्छा लगता। ....
   - ख) बीरबल बहुत बुद्धिमान थे। ....
   - ग) अगली बार तुम भी मेरे साथ केरल आओ। ....
   - घ) आलू ज़मीन के नीचे पैदा होता है। ....

4. अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए—

   मगर < .... | जल < ....

5. वचन बदलिए—

डिब्बा —	दवाई — ....
थैली —	बोतल — ....

6. वर्ण-विच्छेद कीजिए—
   - क) बीमारी — .... + ... + ... + ... + ... + ...
   - ख) लड्डू — .... + ... + ... + ... + ...
   - ग) समस्या — .... + ... + ... + ... + ... + ... + ...
   - घ) उपयोग — .... + ... + ... + ... + ... + ... + ...

पाठों से संबंधित **मॉडल प्रश्न-पत्रों** का अभ्यास

मॉडल प्रश्न-पत्र 2

पाठ 10 से 18 पर आधारित

समय : 2½ घंटे — पूर्णांक : 50

(खंड-क)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

   हमारी मध्यकालीन व्यवस्था में लाखों बुराइयाँ तो थीं- धर्मांधता, कट्टरता, जातिवाद, रूढ़ि पूजा लेकिन एक अच्छाई थी जो निभाई जा सके तो बहुत अच्छा हो! मोहल्ले-टोले में, गाँव-गिराम में एक मानवीयता का सूत्र था। यथा समय इनसानियत के नाते दूसरे पर विश्वास करने, दूसरे को सहारा देने, अपने दुश्मन के भी पारिवारिक कष्ट में जाकर उसे मदद देने की एक परंपरा थी, जो धीरे-धीरे खत्म हो रही है। कुछ ये बड़े शहर उसे मिटा रहे हैं, कुछ राजनीति की हवाई सिद्धांत वादी कट्टरता और निहित स्वार्थों की मुठभेड़ उसे मिटा रही है।

   - क) मध्यकालीन व्यवस्था में कौन-कौन-सी बुराइयाँ थीं?

     ....
   - ख) कौन-सी परंपरा अब धीरे-धीरे खत्म हो रही है?

     ....
   - ग) उस परंपरा को कौन खत्म कर रहे हैं?

     ....

2. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

   यहाँ कोकिला नहीं, काग हैं, शोर मचाते,
   काले-काले कीट, भ्रमर का भ्रम उपजाते।
   कलियाँ भी अधखिली, मिली हैं कंटक-कुल से,
   वे पौधे, व पुष्प शुष्क हैं अथवा झुलसे।
   परिमलहीन पराग दाग-सा बना पड़ा है,
   हा! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।
   ओ, प्रिय ऋतुराज! किंतु धीरे-से आना
   यह है शोक-स्थान यहाँ मत शोर मचाना।

   - क) पंक्तियों में वर्णित स्थान कैसा है?

     ....
   - ख) प्यारा बाग किससे सना पड़ा है?

     ....
   - ग) किसे धीरे-से आने के लिए कहा जा रहा है और क्यों?

     ....

अध्यापक सहायक पुस्तिका 1 से 8

विशेषताएँ

- पाठ उद्देश्य
- पाठ-सार
- पाठ योजना
- उत्तरमाला

CD एवलिएबल 1 से 8

- e-book
- Test Generator
- Lesson Reading
- Activities
- Animation

एड्यूलाइन पब्लिशर्स
101, हिमालिका बिल्डिंग, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-27658333, 27655333, 45668333, ई-मेल: info@eduline.co.in; वेबसाइट: www.eduline.co.in